

राजस्थान ⇒ 'अरावली पर्वतमाला' का कार्य

① पश्चिम के मरुस्थल को पूर्व में बढ़ने से रोकती है ✓

② राजस्थान में मानसून का विभाजन करती है: → ② ✓

① अरब सागर का मानसून इसके समानान्तर होकर कम चर्का करता है

② बंगाल की खाड़ी का मानसून इसके पूर्व में ठहराकर अधिक चर्का करता है

③ राजस्थान में अपवाह तंत्र का विभाजन करती है: ✓

① अरब सागर में मिलने वाली नदी

② बंगाल की खाड़ी में मिलने वाली

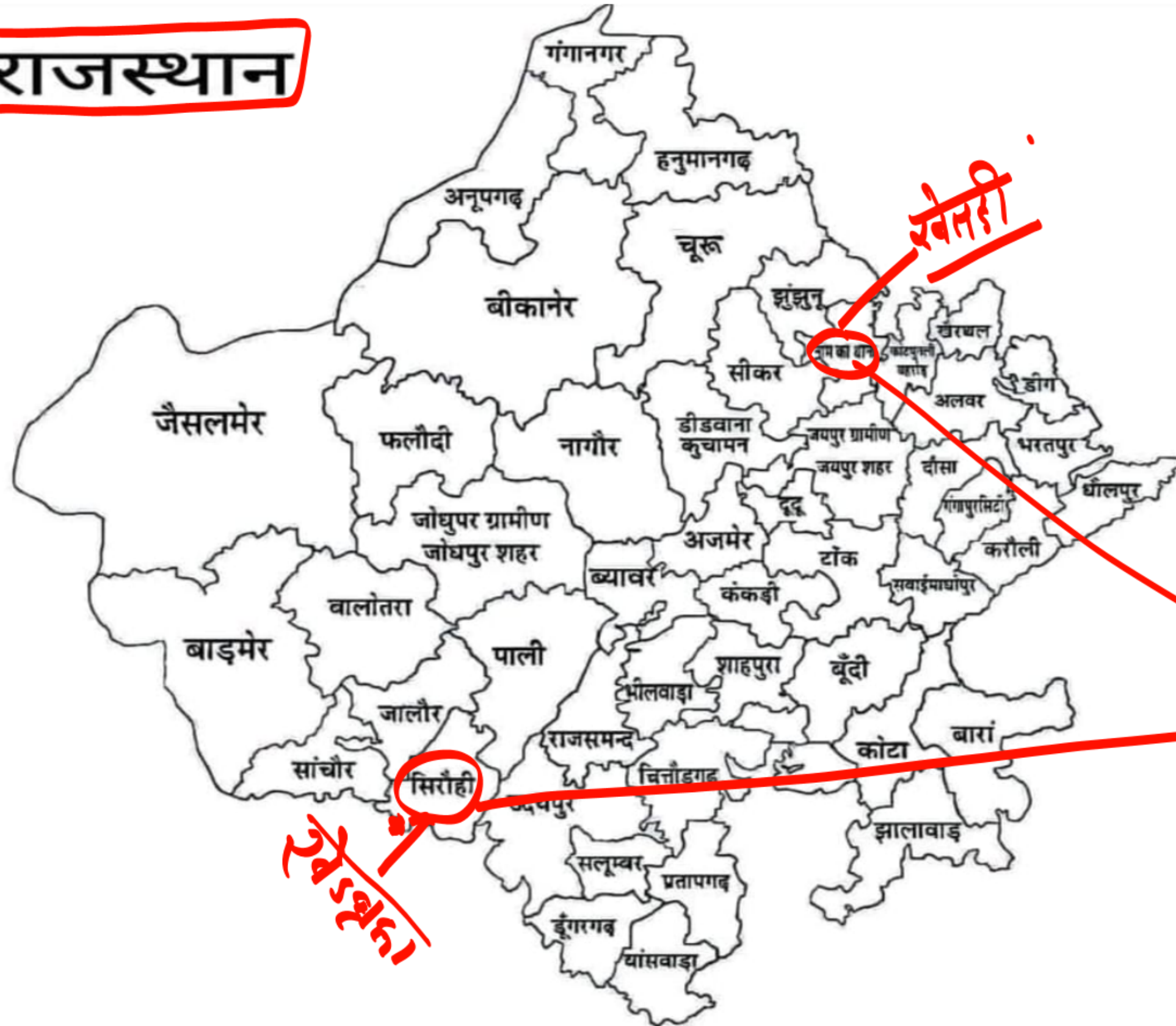
④ खनिजों का अजायब घर कहते हैं।

↳ सर्वा. खनिजों की किस्में पाई जाती हैं।

⑤ सर्वा. वन - वना-पान का विस्तार पाया जाता है।

अरावली का
विस्तार

राजस्थान



स्वेतदी

द्विजेंद्र का
पक्ष

अरे (Sirohi)

उमरावली का विस्तार (R 3)

→ दक्षिण पश्चिम (स्त्रे) उत्तर-पूर्व की ओर है
(नैत्रेय) से (शिखर) की ओर है

अक्षांश $23^{\circ}20'N$ से $28^{\circ}20'N$ → के मध्य

देशान्तर $72^{\circ}10'E$ से $77^{\circ}E$

- बलाय ② — ① उत्तर-पूर्व की ओर
② दक्षिण-पश्चिम की ओर

लम्बाई - 550km (79.48.1.)
80%

औसत ऊँचाई > 930m

जिलों - 13-उत्तर

नवीन = 20-21

सबसे लंबी = तुलशिखर (1722m)

अरावली का सर्वा. विस्तार → उदयपुर

↳ न्यु. विस्तार — अजमेर

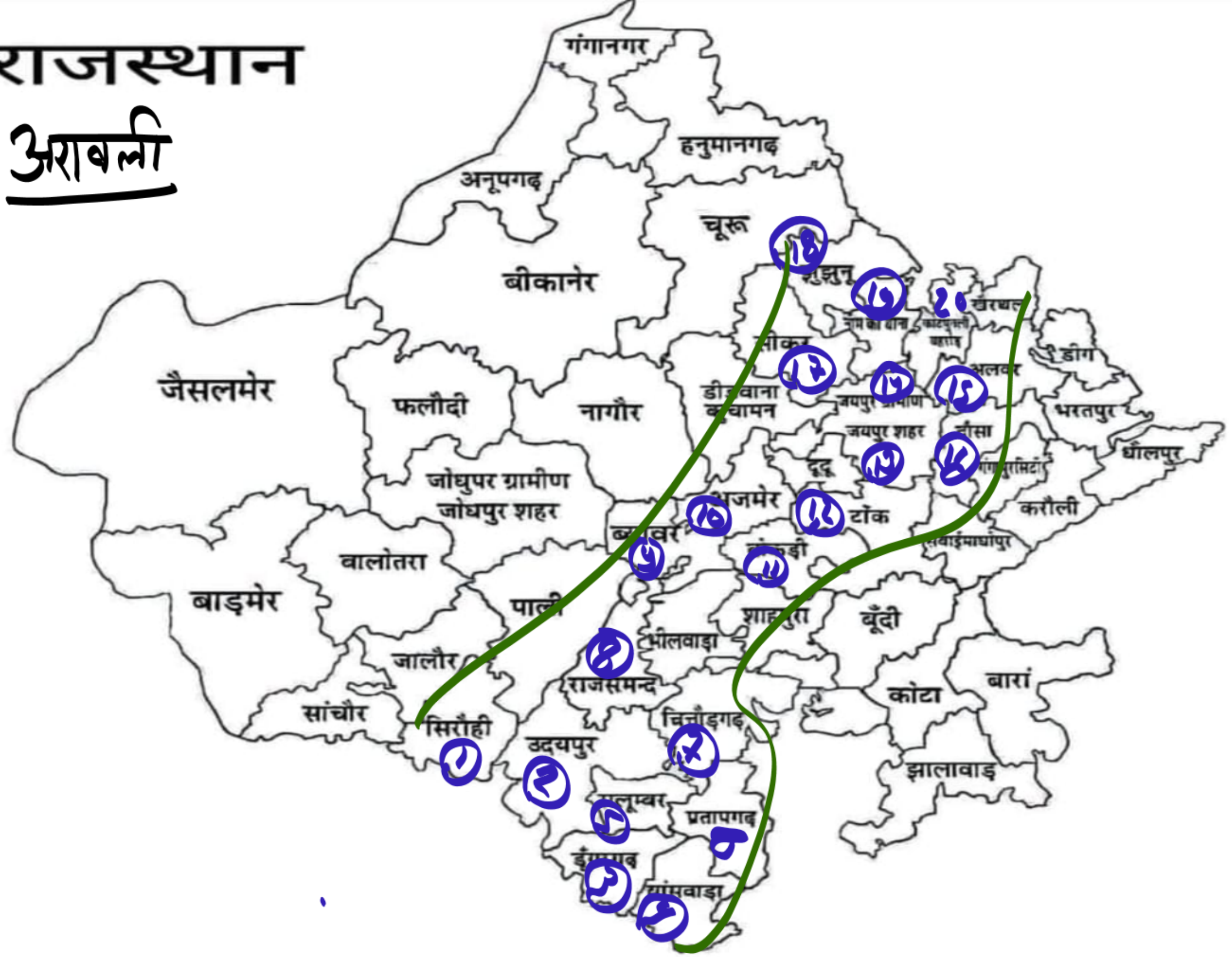
अरावली का सबसे ऊँचा — गुल्मशिरवट — शिरोही

↳ सबसे निचा > भाग

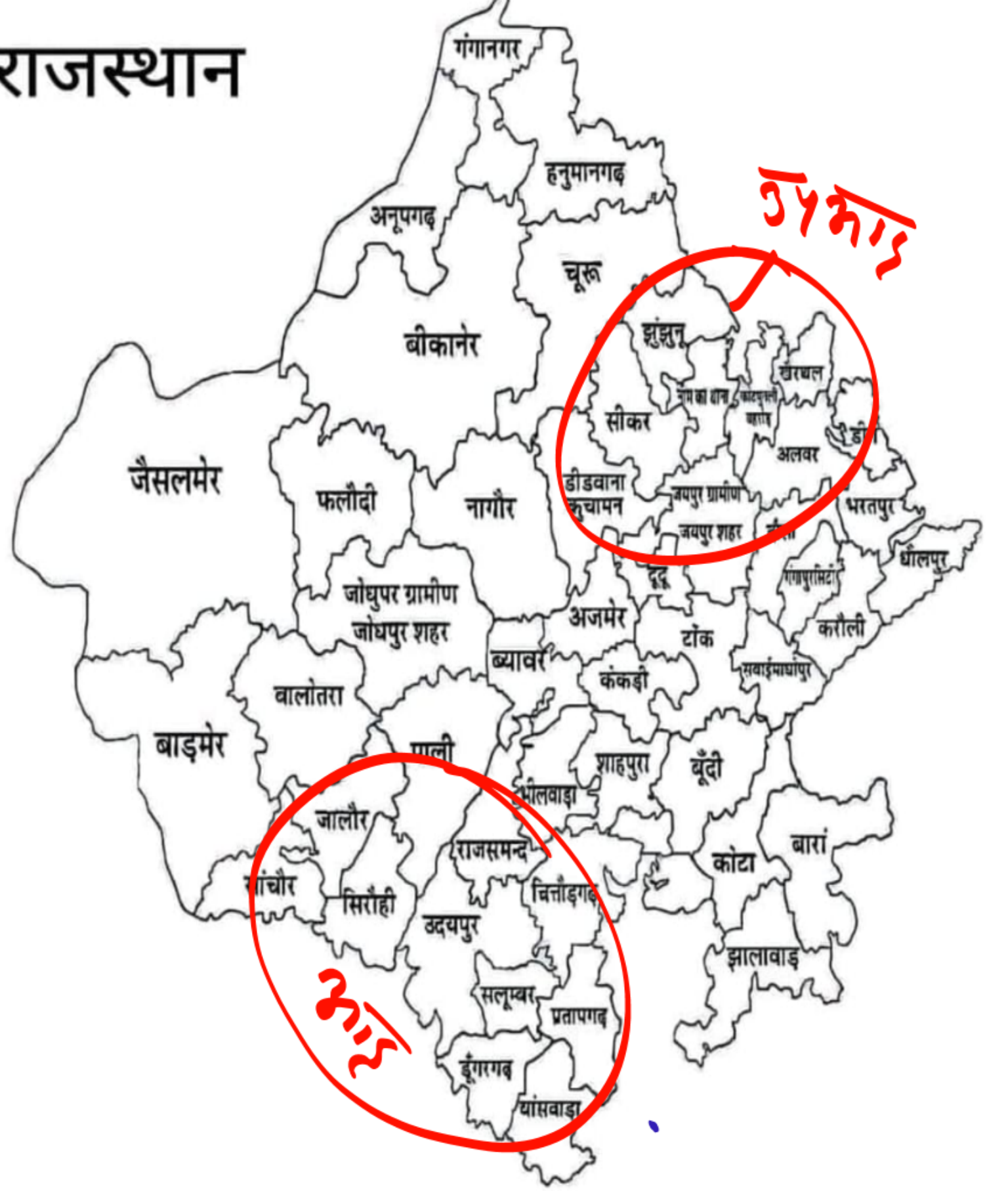
→ फुलकर शील — अजमेर

राजस्थान

अरावली



राजस्थान



अरावली की विशेषता

राजस्थान की सुरक्षा
दिवार

जेम्स रॉड

जलवायु - ② - भाग - उप भाग

मृदा → पर्वतीय (हल्की लाल)

स्थानान्तरित कृषि

नदियों का उदक रूप

राजस्थान

अरावली का विभाजन

मध्य अरावली (II)

750m

(III)

दक्षिण अरावली

1000m

साबर

श्रीवती

(I) उत्तरी अरावली

450m

द्वारका

बेंगलूरु

